# लक्ष्य प्राप्ति के लिए दृढ़ संकल्प और सकारात्मक सोच है जरुरी -राज्यपाल

## ओपी जिंदल विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में शामिल हुई राज्यपाल अनुसुईया उइके

**रायगढ़**

राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके अपने एक दिवसीय रायगढ़ प्रवास के दौरान आज ओपी जिंदल विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में शामिल हुई। यहां उन्होंने उपाधि प्राप्त छात्रों को बधाई देते हुए कहा की दीक्षांत समारोह आपके जीवन के एक महत्वपूर्ण चरण के पूरा होने का प्रतीक है। आप सभी ने अपने मूल विषय में ज्ञान और अंर्तदृष्टि प्राप्त करने तथा मूल्यों को विकसित करने के लिए कड़ी मेहनत की है। इसी प्रकार जीवन में लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्प और सकारात्मक सोच के फलस्वरूप ही सफलता के सोपान तय करेंगे। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल सुश्री उइके ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक प्राप्त छात्रों को पदक वितरण किया।

उन्होंने दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज युवाओं को अच्छी तरह से प्रशिक्षित तथा प्रेरित करने के साथ-साथ उनमें उद्यमशीलता की भावना जगाने की जरूरत है। उन्हें अपना रास्ता तय करने के लिए मार्गदर्शित करने की आवश्यकता है। प्रत्येक विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी है कि वह संकल्पना करें और राष्ट्र के विकास के लिए नई और उपयुक्त तकनीकों का निर्माण करें। अनुसंधान के लिए, समस्या समाधान के तरीकों के लिए, विकास के लिए अपने विद्यार्थियों के बीच नए विचारों, नवाचारों और उद्यमिता की सोच को पल्लवित और पोषित करें। नए विचारों और प्रौद्योगिकियों को कार्यशालाओं और उत्पादन तक लाकर दूरस्थ अंचलों में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए कार्य करना चाहिए।

उन्होंने छात्रों से कहा कि आप अपने आपको इतना योग्य बनायें की आजीविका आपकी खोज करें न की आप आजीविका की। विश्वविद्यालय के परिसर से दीक्षित होकर निकलना, आपको समाज की उच्च अपेक्षाओं पर खरा उतरने की जिम्मेदारी भी देता है। डिग्री से ज्यादा, आपको यहां से प्राप्त ज्ञान और आत्मसात मूल्य आपको मार्गदर्शन प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यह जानकर प्रसन्नता हुई कि विश्वविद्यालय में देश के 18 से अधिक राज्यों के विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। यह परिसर विद्यार्थियों को एक बहुसांस्कृतिक और बहुजातीय वातावरण उपलब्ध करा रहा है। देश के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों का आपसी संवाद उन्हें एक व्यापक दृष्टि देता है और सामाजिक-सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाता है।

इस मौके पर यूनिवर्सिटी की चांसलर शालू जिंदल ने सभी पास आउट विद्यार्थियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप अपने जीवन में यहां पढ़ाई के दौरान मिले ज्ञान और सीख का बेहतर उपयोग करें। आज के प्रतियोगी माहौल में सारे प्रोफेशन में एक्सीलेंस की उम्मीद होती है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपने स्किल पर लगातार काम करते रहे हैं। जिससे न केवल आप अपनी अलग पहचान बना पाएंगे बल्कि सफलता की नई ऊंचाइयां भी छुएंगे।

समारोह में स्वागत उद्बोधन यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ.आर.डी.पाटीदार ने दिया। उन्होंने यूनिवर्सिटी के वार्षिक प्रतिवेदन का वाचन करते हुए एकेडमिक एक्टिविटी के उपलब्धियों का ब्योरा साझा किया। इस अवसर पर डॉ.उमेश मिश्रा, चेयरमैन, छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग, शहीद नंद कुमार पटेल यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ.ललित प्रकाश पटेरिया, एडीएम सुश्री संतन देवी जांगड़े, नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा, एमडी जेएसपीएल विमलेंद्र झा, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर जेएसपीएल सब्यसाची बंदोपाध्याय, रजिस्ट्रार सत्यव्रत दास, हेड एचआर जिरार्ड रोड्रिग्स सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, उनके परिजन व यूनिवर्सिटी के स्टाफ उपस्थित थे।

**738 छात्रों को मिली उपाधि-** ओपी जिंदल के द्वितीय दीक्षांत समारोह में कुल 738 स्नातकों को उपाधि प्रदान की गयी। जिसमें 31 स्वर्ण पदकए 28 रजत पदक और 27 कांस्य पदक शामिल थे। शेष सभी को स्नातक की उपाधि दी गई।

## महत्वपूर्ण एवं खास

### पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष थानेश्वर साहू 20 अक्टूबर को लेंगे जिला अधिकारियों की समीक्षा बैठक

**रायगढ़।** छ.ग.राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग रायपुर के अध्यक्ष थानेश्वर साहू (केबिनेट मंत्री दर्जा)की अध्यक्षता, उपाध्यक्ष आर.एन.वर्मा (राज्यमंत्री दर्जा) एवं सदस्य महेश चंद्रवंशी की उपस्थिति में जिला स्तरीय विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक 20 अक्टूबर 2022 को दोपहर 2 बजे से कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आहूत की गयी है। पूर्व में यह बैठक 12 अक्टूबर को नियत की गयी थी। जिसमें आंशिक संशोधन करते हुए उक्त बैठक अब 20 अक्टूबर 2022 को नियत की गयी है। बैठक में शासन के समस्त विभागों द्वारा अन्य पिछड़े वर्गो के हितार्थ संचालित योजनाओं व कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा एवं अन्य पिछड़े वर्ग के क्रीमिलेयर निर्धारण के संबंध में अनुविभागीय अधिकारी (राज.) तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार से विशेष चर्चा की जाएगी।

### इलेक्ट्रिकल डोमेस्टिक कोर्स में नि:शुल्क प्रशिक्षण के लिए 18 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित

**रायगढ़।** शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, रायगढ़ में मुख्यमंत्री कौशल योजना के अंतर्गत इलेक्ट्रिकल डोमेस्टिक कोर्स का नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिसके लिए 18 अक्टूबर 2022 तक आवेदन आमंत्रित किया गया है। इलेक्ट्रिकल डोमेस्टिक कोर्स हेतु 8 वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। आवेदक आवेदन पत्र के साथ निवास एवं जाति प्रमाण-पत्र, बीपीएल कार्ड, आधार कार्ड, रोजगार पंजी प्रमाण पत्र एवं दो पासपोर्ट साईज फोटो के साथ 18 अक्टूबर शाम 5 बजे तक शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, रायगढ़ में जमा कर सकते है। यह प्रशिक्षण रायगढ़ जिले के अंतर्गत आवेदकों के लिए है।

### मैनपुर थाने में पदस्थ आरक्षक ने खुद को मारी गोली

**गरियाबंद (आरएनएस)।** मैनपुर थाने में पदस्थ आरक्षक दिनेश कोसले ने सर्विस रिवालर से खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली। मिली जानकारी के अनुसार मामला गरियाबंद जिला के मैनपुर थाना का हैं। बताया जा रहा हैं कि थाना में आरक्षक के पद पर दिनेश कोसले की पोस्टिंग थी। दिनेश कोसले मैनपुर थाना परिसर में ही बने मकान में रहता था। जानकारी के मुताबिक थाने के उपरी हिस्से में दिनेश के जाने के बाद एकाएक गोली चलने की अवाज आई। फायरिंग की आवाज के बाद थाना स्टॉफ उपर पहुंचा तो देखा कि दिनेश खून से लतपथ पड़ा था तथा उसकी मौत हो चुकी थी। इस घटना के बाद थाना परिसर में हडक़ंप मच गया। आनन फानन में घटना की जानकारी उच्च अधिकारियों को दिया गया। इधर जानकारी के बाद मौके पर पहुंचे पुलिस अफसरों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस कांस्टेबल ने क्यों खुद को गोली मारी, ये अब भी जांच का विषय हैं। बता दे कि कुछ महीना पहले भी इसी थाना के उपरी हिस्सा में सब इंस्पेक्टर शंकर लाल सिदार ने भी फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। इस घटना के बाद ये दूसरी घटना हैं जब पुलिस जवान ने थाना परिसर में आत्महत्या कर ली हैं। फिलहाल पुलिस अधिकारी घटना के कारणों की जांच की बात कह रहे हैं।

## प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना : केन्द्र को भेजा जाएगा 2742.55 करोड़ रूपए से अधिक का प्रस्ताव

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ द्वारा केन्द्र सरकार से अनुमोदित नवीन ''प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना'' अंतर्गत 2742 करोड़ 55 लाख 59 हजार 7 सौ रूपए का प्रस्ताव केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय को प्रेषित किया जाएगा। इसमें प्रदेश के 7 जिलों के 1530 चिन्हांकित ग्रामों के लिए 30 हजार 984 कार्य प्रस्तावित किए गए हैं। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित राज्य स्तरीय समिति द्वारा इस प्रस्ताव पर गठित राज्य स्तरीय समिति से अनुमोदन प्राप्त कर भारत सरकार को भेजने हेतु सहमति दी गई है।

भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देश के अनुसार ग्रामवार सर्वे कर विलेज डेव्हलपमेंट प्लान (वीडीपी) तैयार किया गया। जिला स्तरीय समिति की अनुशंसा के साथ जिलेवार वर्ष 2021-22 का प्रस्ताव आयुक्त आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास के माध्यम से प्राप्त हुआ है। जिलों से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार जिला बस्तर में चिन्हांकित 311 ग्रामों के लिए 320 करोड़ 41 लाख 46 हजार 8 सौ रूपए के 8240 कार्य, कोण्डागांव जिले में चिन्हांकित 289 ग्रामों के लिए 1069 करोड़ 18 लाख 18 हजार 9 सौ रूपए के 5637 कार्य, नारायणपुर जिले में चिन्हांकित 47 ग्रामों के लिए 41 करोड़ 64 लाख 88 हजार रूपए के 1566 कार्य, सरगुजा जिले में चिन्हांकित 327 ग्रामों के लिए 231 करोड़ 9 लाख 72 हजार 8 सौ रूपए के 4830 कार्य, सूरजपुर जिले में चिन्हांकित 211 ग्रामों के लिए 268 करोड़ 4 लाख 54 हजार 2 सौ रूपए के 2134 कार्य, बलरामपुर जिले में चिन्हांकित 341 ग्रामों के लिए 805 करोड़ 99 लाख 79 हजार रूपए के 8533 कार्य और जांजगीर-चांपा जिले में चिन्हांकित 04 ग्रामों के लिए 6 करोड़ 17 लाख रूपए के 44 कार्य शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में योजना क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति और मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तर समिति का गठन किया गया है।

## 36वें नेशनल गेम्स : राष्ट्रीय खेलों में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों का जलवा बरकरार अब तक जीते कुल 11 पदक

❐ **मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं खेल मंत्री उमेश पटेल ने खिलाड़ियों को दी बधाई**

**रायपुर।** गुजरात में चल रहे 36वें नेशनल गेम्स में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों का बेहतरीन प्रदर्शन लगातार जारी है। इसी कड़ी में रविवार 09 अक्टूबर का दिन एक बार फिर प्रदेश के लिए चमकीला रहा जब कयाकिंग के, के-वन 500 मीटर इवेंट में कौशल नंदिनी ठाकुर ने रजत पदक प्राप्त किया। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियो का यह अब तक का 11वां पदक है। राष्ट्रीय खेलों में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पदक जीतने पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री उमेश पटेल ने छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही इस सफलता हेतु छत्तीसगढ़ केनोइंग कयाकिंग संघ के अध्यक्ष बलदेव सिंह भाटिया, कार्यकारी अध्यक्ष रोहित काले, महासचिव अभिजीत मिश्रा, भारतीय कयाकिंग एंड केनोइंग संघ के सह सचिव एवं इन खेलों में छत्तीसगढ़ की ओर से टेक्निकल ऑफिसर प्रशांत सिंह रघुवंशी सीडीएम अतुल शुक्ला, डिप्टी सीडीएम रुपेंद्र सिंह चौहान ने बधाई देते हुए आने वाले इवेंट के लिए शुभकामनाएं दी।

**7000 से ज्यादा खिलाड़ी 36 खेल विधा में हिस्सा ले रहे हैं-** गौरतलब है कि गुजरात के विभिन्न शहरों में 12 अक्टूबर तक राष्ट्रीय खेलों का आयोजन होगा। इसमें 36 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से 7000 से ज्यादा खिलाड़ी, 36 खेल विधा में भाग ले रहे हैं। इस राष्ट्रीय खेल में एक्वेटिक्स, तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, कैनोइंग और कयाकिंग, साइकिलिंग, बाड़ लगाना, फुटबॉल, जिमनास्टिक, गोल्फ, हैंडबॉल, हॉकी, जुडो, कबड्डी, खो-खो, लॉन बाउल, मल्लखंब, नेटबॉल, रोलर स्केटिंग, रोइंग, रग्बी, निशानेबाजी, सॉफ्ट बॉल, सॉफ्ट टेनिस, स्क्वाश, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, टेनिस, ट्रायथलॉन, वालीबाल, वेटलिफ्टिंग, कुश्ती, वुशु, योगासन आदि खेलों में खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

## डाक विभाग ने किया सुकन्या समृद्धि महोत्सव का आयोजन

❐ **10 वर्ष तक की बालिकाओं के अधिक से अधिक खाता खोलने पर दिया गया जोर**

❐ **कलेक्टर ने कहा खाता खोलकर बालिकाओं को भविष्य में होने वाली आर्थिक समस्याओं से बचाया जा सकता है**

❐ **कोई भी बालिका खाता खोलने से ना छूटे: कलेक्टर**

**रायपुर (आरएनएस)।** भारतीय डाक विभाग द्वारा आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव के अवसर पर सुकन्या समृद्धि महोत्सव का आयोजन कर अधिक से अधिक बालिकाओं के खाता खोलने के लिए प्रचार प्रसार 15 सितंबर से किया जा रहा है। आज रायपुर डाक संभाग द्वारा डॉ अंबेडकर सांस्कृतिक भवन गुढियारी में आयोजित कार्यक्रम में जिले के कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने कहा कि 10 वर्ष आयु तक कि कोई भी बालिका खाता खोलने से ना छूटे। सुकन्या समृद्धि योजना का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। उन्होंने कहा की खाता खोलकर बालिकाओं को भविष्य में होने वाली आर्थिक समस्याओं से बचाया जा सकता है।

डाक विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 15 सितंबर से लगातार शिविर का आयोजन कर व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। शिविरों के माध्यम से अब तक 3 हजार से अधिक खाता खोले जा चुके हैं। इस योजना की शुरुआत वर्ष 2015 में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित रखने हेतु निवेश बचत के लिए की गई है। इस योजना के तहत एक वर्ष में अधिकतम 1 लाख 50 हजार तक जमा किया जा सकता है।

डाक विभाग के अधिकारियों ने योजना के लाभ एवं महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर नवीन खाताधारक बालिकायों को उनकी माताओं के साथ पासबुक भी प्रदान किया गया साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले डाक कर्मियों को पुरस्कृत भी किया गया।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, महिला एवम बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, डाक विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

## पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम में अग्निवीर भर्ती रैली का होगा एक दिसंबर से आयोजन

❐ **अभ्यर्थियों के लिए होगी ठहरने और भोजन की व्यवस्था**

**दुर्ग (आरएनएस)।** अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन 01 दिसंबर से 13 दिसंबर तक पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम दुर्ग में आयोजन किया जाएगा। उक्त आयोजन हेतु आवश्यक तैयारियां जैसे विभिन्न विभागों द्वारा इस आयोजन में किये जाने वाले कार्य जैसे ठहरने की व्यवस्था, भोजन की व्यवस्था, पेयजल की व्यवस्था, मैदान में साफ-सफाई की व्यवस्था इत्यादि के संबंध में कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा द्वारा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

कलेक्टर ने कहा कि अभ्यर्थियों को किसी तरह की दिक्कत न हो, इस बात का खास ध्यान रखें। अभ्यर्थियों को जरूरी सूचनाएं समय पर मिलती रहें, इसकी पुख्ता व्यवस्था करें। ट्रैफिक, पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस विभाग को प्लानिंग करने के दिए निर्देश- 1 दिसंबर से 15 दिसंबर तक पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम दुर्ग में आयोजित होने वाले भर्ती में लगभग 45 हजार अभ्यर्थियों के आने की संभावना है और हर दिन लगभग 5 हजार अभ्यर्थियों के आने की संभावना है जिसके लिए कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने पूरी तैयारी करने के निर्देश दिए। साथ ही स्टेडियम के आस-पास चेकिंग पाईट का भी सुझाव दिया, ताकि अनावश्यक भीड़ जमा होने से रोका जा सके।

साफ -सफाई का रखा जाएगा ध्यान एन.सी.सी., स्काउट गाइड और एन.एस.एस. के छात्र रहेंगे वालिंटियर की भूमिका में- अक्सर इस तरह के आयोजनों में भारी भीड़ के कारण साफ-सफाई की व्यवस्था ठीक से नहीं हो पाती जिसके कलेक्टर ने साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के लिए निगम अधिकारियों को निर्देशित किया। ए.सी.सी., स्काउट गाइड और एन.एस.एस. की मदद लेने का भी सुझाव दिया।

उक्त बैठक में अपर कलेक्टर अरविन्द एक्का, एडिश्नल एसपी ग्रामीण नंद कुमार साहू, जिला पंचायत सीईओ अश्वनी देवांगन, कर्नल एस. रमेश सेना मेडल, संचालक भर्ती निदेशक भर्ती कार्यालय रायपुर, आरके कुर्रे उपसंचालक जनशक्ति नियोजन, जिला शिक्षा अधिकारी अभय जयसवाल, आरआई पुलिस लाईन रमेश चंद्रा, आरआई यातायात अनिश सारथी उपस्थित रहे। कर्नल एस. रमेश सेना मेडल द्वारा अग्निवीर भर्ती आयोजन हेतु आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में अवगत कराया गया। तथा पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम का निरीक्षण कर आवश्यक संसाधनों की जानकारी लिए गये। राजकुमार कुर्रे उपसंचालक जनशक्ति नियोजन ने इस संबंध में की जा रही तैयारी और इस संबंध में किये जा रहे विभागीय समन्वय के बारे में जानकारी दी।

## राजधानीवासी लिपाई के लिए अब सी-मार्ट से खरीद सकेंगे देशी गाय का गोबर

❐ **पूजा पाठ सहित अन्य पवित्र अवसरों पर देशी गाय के गोबर का महत्व**

❐ **गोकुल नगर गौठान के स्व-सहायता समूह की आय का नया जरिया बना देशी गाय का गोबर**

**रायपुर (आरएनएस)।** दीपावली इस महीने की 24 तारीख़ को है। दीपावली के अवसर पर पूजा-पाठ और पवित्र संस्कार पांच दिन पहले से शुरू हो जाते है। ऐसे में शहरों में पूजा पाठ के लिए लिपाई करने या गौरी गणेश बनाने के साथ-साथ स्थान की पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए देशी गाय के गोबर की उपलब्धता एक बड़ी समस्या होती है। हिन्दू धर्म में तीज त्योहारों में देशी गाय के गोबर के उपयोग का अपना अलग ही महत्व है। कांक्रीट के रेगिस्तान की तरह बढ़ते शहरों में दसी गाय का गोबर मिलना लोगों के लिए बेहद मशक्कत का काम होता है। कई बार ऐसे अवसरों पर दूर शहर के बहार के गांवो से गोबर ग्रामीणों से मांगकर लाना पड़ता है। इस दिवाली इस समस्याओं का रायपुर शहरवासियों को सामना नहीं करना पड़ेगा। रायपुर नगर निगम क्षेत्र के गोकुल नगर गौठान की देशी गायों का गोबर अब सी-मार्ट में लोगों को किफायती दामों पर उपलब्ध रहेगा। गोकुल नगर जोन 6 के गौठान में काम कर रही महिला स्व सहायता समूह की सदस्य देशी गाय के गोबर की आकर्षक पैकिंग कर रही है। यहाँ लिपाई के लिए देशी गाय के गोबर में रंग मिलाकर उसे लाल पीला हरा और बैगनी रंग दिया जा रहा है। यह देशी गाय का गोबर 1 किलो के पैकेट्स में सी-मार्ट में लोगों के लिए उपलब्ध रहेगा। इसकी कीमत 10 रुपए प्रति पैकेट होगी।

स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष नीलम अग्रवाल बताती है कि पिछले साल लिपाई का गोबर मांगने बहुत से लोग आते थे, जिन्हे मुफ्त में गोबर दिया गया था। इसलिए इस वर्ष इसे महिलाओं के लिए आमदनी का नया जरिया बनाकर इसे गौठान में ही तैयार करके बेचने का निर्णय लिया गया है।

गौठान में 400 से अधिक देशी गाय है जिनसे हर रोज़ करीब 3 हजार किलो गोबर मिलता है इस गोबर का उपयोग करके यहाँ कई प्रकार के उत्पाद बनाए जाते है। जिसमे देशी गाय के गोबर से, लकड़ी, कंडे, धुप, हवन सामग्री, खाद, सूटकेस, चप्पल, गुलाल, मूर्तियां, पेंटिंग, गमले, टाइल्स, जैसी 31 प्रकार की अलग-अलग सामग्रियाँ बनाई जाती है। दीपावली से पहले तीन टन लिपाई का गोबर तैयार करने का लक्ष्य महिला समूह द्वारा रखा गया है। जिसे सी-मार्ट के माध्यम से बेचा जाएगा।

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना 'नरवा, गरूवा, घुरूवा और बाड़ी' के अंतर्गत जिले के गोकुल नगर, जोन 6 में 2.5 एकड़ में गौठान का निर्माण किया गया है। यहां गोबर को बेचा नहीं जाता बल्कि इससे कई प्रकार की सामग्री बनाने का काम महिला स्व सहायता समूह द्वारा किया जाता है। इन उत्पादों की बिक्री से गौठान को सालाना 30 लाख की आमदनी होती है। जिससे समूह की महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त बन रही है और किसी पर निर्भर भी नहीं है।

**यहाँ के उत्पाद बनाते है इस गौठान को खास**

स्व सहायता समूह में 13 महिलाएं काम करती है, जो गोवंश के देखभाल के साथ-साथ गोबर से विभिन्न उत्पाद बनाती है। गौठान में ऐसे कई उत्पाद है जो दुनिया में पहली बार बने है जिनमे गोबर की चप्पल, सूटकेस, घडिय़ाँ, पेंटिंग्स जैसी सामग्रियां शामिल हैं। इन उत्पादों के कारण न केवल यहां की महिलाओं को ख़ास पहचान मिली बल्कि अपने हुनर की वजह से उन्हें विभिन्न मंचों पर सम्मानित भी किया गया है।

गौठानों से महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हुई है और साथ ही प्रदेश भर की महिलाओं के लिए प्रेरणा भी बन रही है। राज्य शासन द्वारा भी गौठानों से आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। जिससे इन महिलाओं के साथ साथ प्रदेश भर की महिलाओं के प्रयासों को बल मिल रहा है। इसी बल के कारण महिलाएं न केवल अपने हुनर को निखार कर अपने लिए आय का श्रोत बना रही है बल्कि देश भर की महिलाओं के लिए मिसाल भी बन रही है।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-२21359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com, RNI NO :- CHHHIN/2018/76480